प्रांजल

हिंदी पाठमाला

1

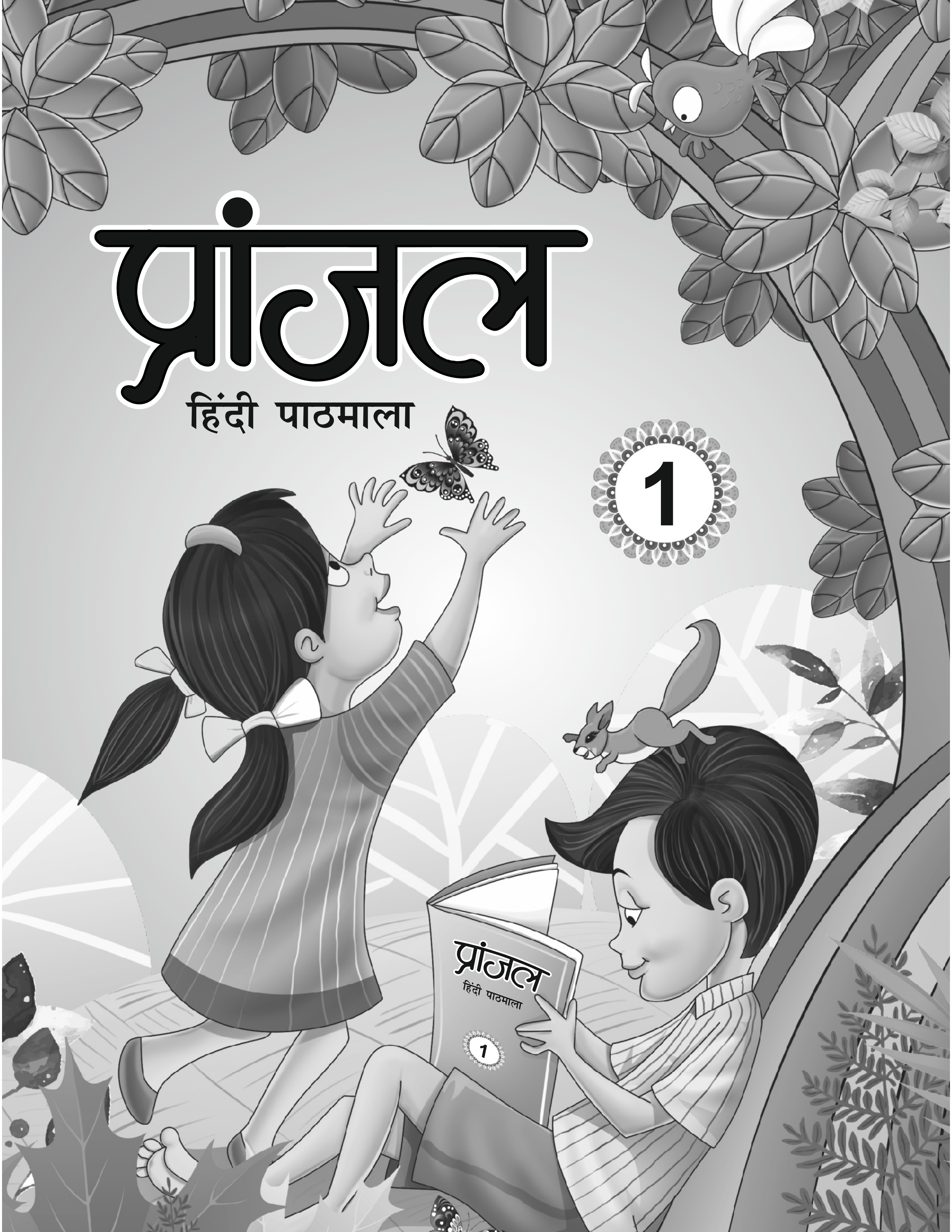

1. वर्णमाला

(क) 1. (ii) चल
2. (ii) रमन
3. (iii) उपवन

(ख) 1. अम्मा
2. आनंद
3. चार
4. दो

(ग) आ ई ऊ ऐ औ

(घ) ग च ढ द
ल प ष ज्ञ

(ङ) सरकस — स र क स
थरमस — थ र म स

❑

2. आ (ा) की मात्रा

(क) 1. (i) बाजार
2. (i) माता का

(ख) कान
काम
काज
काल

(ग) 1. बाजार 2. अचार 3. काला 4. पाठशाला

(घ) 1. पारस ने माता का कहना माना।
2. पारस ने हाथ साफ कर खाना खाया।
3. पारस ने चावल दाल पकाया।

(ङ) 1. गाजर 2. खाना
3. पाठशाला 4. साफ

(च) खा ना मा रा ला सा

(छ) का खा गा घा ङा चा छा जा ञा टा ठा डा ढा णा
ता था दा धा ना पा फा बा भा मा या रा ला वा शा षा
सा हा।

❑

3. इ (ि) की मात्रा

(क) 1. (iv) किसान
2. (i) चिड़िया का

(ख) दिल
मिल
खिल
बिल
सिल
तिल

(ग) 1. दिन
2. सचिन
3. हिरण, चिड़िया
4. लिफाफा, चिड़िया

(घ) 1. सचिन की मित्र आयी।
2. चित्र पर हिरण, अमिता, सरिता का नाम लिखा था।

(ङ) 1. दि 2. वि 3. चिड़ि
4. कि 5. हि 6. चि

(च) जि मि रि टि

(छ) कि खि गि घि ङि, चि, छि, जि, झि, ञि, टि, ठि, डि, ढि, णि, ति, थि, दि, धि, नि, पि, फि, बि, भि, मि, यि, रि, लि, वि, शि, षि, सि, हि।

(ज) हिरन गिलास किसान किताब

❑

4. ई (ी) की मात्रा

(क) 1. (i) तितली
2. (ii) गीता ने

(ख) मीत खीर
रीत तीर
चीर
हीर
धीर
नीर

(ग) 1. तितली
2. बजाई
3. गई
4. खाई

(घ) 1. गीता ने तितली पकड़ी।
2. सभी ने मिलकर दावत खाई।

(ङ) घी मी नी शी ली यी
गी ती ली पी

(च) 2. चाची 3. मामी 6. पहनी 8. चीन

(छ) **स्वर :** अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः
व्यंजन : क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ
द ध न प फ ब भ म य र ल व श ष स ह
संयुक्त व्यंजन : क्ष त्र ज्ञ श्र

(ज) घड़ी मछली लीची थाली

❑

5. उ (ु) की मात्रा

(क) 1. (ii) चुलबुली
2. (i) कुमुद

(ख) गुड़िया कुटिया
चुहिया लुटिया
पुड़िया बुढ़िया

(ग) 1. चुहिया
2. कुमुद
3. पुरानी
4. गुड़िया
5. खुश

(घ) 1. कुमुद उदास हुई।
2. कुमुद बटुआ लेकर दुकान गई।

(ङ) मुरगा चुनचुन गुलाब बटुआ पुड़िया

(च) स्वयं करें

(छ) धनुष बुढ़िया जामुन साबुन

❑

6. ऊ (ू) की मात्रा

(क) 1. (i) कबूतर को
2. (ii) नूतन
3. (iv) ये सभी
4. (iv) खजूर

(ख) कालू   भालू
आलू   बालू
तालू   चालू

(ग) 1. सूरज
2. कहना
3. कबूतर

(घ) 1. सूरज निकल आया।
2. बूढ़े का कहना मानना है।

(ङ) 1. जूता   2. सूरज   3. मूरत   4. जूही

(च) जूते तराजू सूरज खजूर

❑

7. ऋ (ृ) की मात्रा

(क) 1. (i) भृगु
2. (i) हल
3. (iv) नृप

(ख) मृग
मृदंग
मृदु
मृणाली

(ग) 1. कृषक
2. मृग
3. नृप

(घ) 1. ऋषि का नाम भृगु था।
2. मृग चरना चाहता था।
3. नृप शिकार करना चाहता था।
4. कृषक हल चला रहा था।

(ङ) 1. मृदंग 2. घृणा 3. वृक्ष 4. मृग
(च) कृषक नृप वृषभ भृगु

❑

8. ए (े) की मात्रा

(क) 1. (i) रेलगाड़ी
2. (ii) झूला
(ख) बेला
चेला
ठेला
मेला
रेला
केला
(ग) 1. रेलगाड़ी
2. मेले
3. झूले
(घ) 1. शहर के बाहर मेला लगा।
2. रेलगाड़ी से सभी मेला देखने आए।
3. झूला ऊपर जाने से सभी परेशान होने लगे।
(ङ) चे, जे, पे, ले
(च) सपेरा, लालटेन, केतली, जलेबी
(छ) स्वयं करें।

❑

9. ऐ (ै) की मात्रा

(क) 1. (i) कैलाश
2. (iii) हैदराबाद
(ख) पैर
गैर
सैर
तैर
वैर
(ग) 1. पैदल 2. थैला 3. मैदा, मेथी
(घ) 1. भैया का नाम कैलाश है।

2. मैना और कैलाश मैच देखने गये।
3. नैना के घर में बैसाखी मनाई।

(ङ) जै ठै तै धै पै लै

(च) 1. चैत्र 2. मैदा 4. पैदल 6. सैलाब

(छ) बैटरी ततैया कैमरा मैना

❑

10. ओ (ो) की मात्रा

(क) 1. (iii) दोनों
2. (i) खरगोश
3. (iii) चोर

(ख) खाओ
पीओ
आओ
जाओ
लाओ

(ग) 1. जोकर
2. तोता
3. चोर

(घ) 1. जोकर ने टोपी तथा कोट पहना था।
2. तोता मीठी-मीठी बातें करता था।
3. मोर नाचते हुए सबके मन को भाता था।
4. मैदान में शोर मच गया।

(ङ) 1. डोर 2. खरगोश 3. खोजना 4. जोकर

(च) जोकर, बोतल, टोपी, अखरोट

❑

11. औ (ौ) की मात्रा

(क) 1. (i) गौरी ने
3. (iii) सौरभ

(ख) लौकी चौकी
मौज फौज

(ग) 1. गौरी पौधा
2. खिलौने
3. नौकर

(घ) 1. आज का मौसम सुहावना है।
2. मौसा-मौसी नौका दौड़ देखने गये थे।
3. एक नौका में पाँच नाविक थे।

(ङ)

गा	जा	चा	मा	शा
गि	जि	चि	मि	शि
गी	जी	ची	मी	शी
गु	जु	चु	मु	शु
गू	जू	चू	मू	शू
गृ	जृ	चृ	मृ	शृ
गे	जे	चे	मे	शे
गै	जै	चै	मै	शै
गो	जो	चो	मो	शो
गौ	जौ	चौ	मौ	शौ

(च) 1. दौलत 2. सौरभ 5. कौमुद

(छ) तौलिया, चौकीदार, पौधा, नौका

❑

12. अं (ं) की मात्रा

(क) 1. (ii) मंदिर
2. (ii) तितलियों से
3. (iii) अहंकार

(ख) 1. सिकंदर 2. पंडा
अंदर अंडा
बंदर डंडा
सुंदर झंडा
चंदर ठंडा

(ग) 1. मंगल 2. पतंग 3. बंदर 4. चंदन

(घ) 1. मंदिर के पास एक जंगल था।

2. नंदन और चंदना छत पर गये।

3. नंदन और चंदना आनंद से पतंग उड़ा रहे थे।

(ङ) 1. पसंद 2. पलंग 3. अहंकार 4. अंदर 5. जंगल 6. पतंग

(च) बंदर पतंग इंजन मंदिर

❑

13. अः (:) विसर्ग वाले शब्द

(क) 1. (ii) उषा काल

2. (i) रवि

3. (i) शनैः शनैः

(ख) 1. छः शनैः नमः 2. प्रातः पुनः अतः

(ग) 1. रवि

2. दुःखी

3. नमः

(घ) 1. रवि उषा काल में उठता है।

2. रवि हर एक काम को शनैः शनैः करता है।

3. रवि सफल होता है।

(ङ) 1. निःसंकोच 2. फलतः 3. परिणामतः 4. दुःख

(च) दुःख नमः छः सूर्योदयः

(छ)

गा	चा	जा	ठा	ढा	ता	दा	रा	ला	सा
गि	चि	जि	ठि	ढि	ति	दि	रि	लि	सि
गी	ची	जी	ठी	ढी	ती	दी	री	ली	सी
गु	चु	जु	ठु	ढु	तु	दु	रू	लु	सु
गू	चू	जू	ठू	ढू	तू	दू	रू	लू	सू
गृ	चृ	जृ	ठृ	ढृ	तृ	दृ	रृ	लृ	सृ
गे	चे	जे	ठे	ढे	ते	दे	रे	ले	से
गै	चै	जै	ठै	ढै	तै	दै	रै	लै	सै
गो	चो	जो	ठो	ढो	तो	दो	रो	लो	सो

गौ	चौ	जौ	ठौ	ढौ	तौ	दौ	रौ	लौ	सौ
गं	चं	जं	ठं	ढं	तं	दं	रं	लं	सं
गः	चः	जः	ठः	ढः	तः	दः	रः	लः	सः

❑

14. द्वित्व व्यंजन

स्वयं कीजिए

❑

15. संयुक्त व्यंजन

(क) 1. (ii) पक्के
2. (i) कटोरे में
3. (i) घर की

(ख) क्ष
त्र
ज्ञ
श्

(ग) 1. अच्छे
2. स्कूल
3. कुत्ता

(घ) 1. विख्यात एक कुत्ता लाया।
2. कुत्ता प्यासा था।
3. शत्रुघ्न और विख्यात पक्के दोस्त थे।

(ङ) गुच्छा, कृष्ण, श्रमिक, झण्डा

❑

16. 'र' रेफ की मात्रा

(क) 1. (i) पूर्व
2. (ii) धर्मराज
3. (iv) कर्मठ

(ख) 1. सूर्य पूर्व दिशा में निकलता है।

2. तीन ऋतुएँ गर्मी, सर्दी और वर्षा हैं।

3. ठंड से बचने के लिए हम गर्म कपड़े पहनते हैं।

(ग) पार्क

दर्जन

सर्जन

वर्षा

(घ) 1. मोर

2. गर्जन

3. कर्मठ

(ङ) दुर्जन	दर्शन
गर्दन	दर्जन
कर्मवीर	कर्मकार
(च) कर्म	सर्जन
कार्य	पार्ट

❑

17. प्रार्थना

(क) 1. (iv) नादान

2. (iii) फूल

(ख) 1. बच्चे भगवान से वर माँग रहे हैं।

2. पढ़ लिखकर हम भारत माता के काम आएँगे।

(ग) 1. समझदार

2. बालिका

3. मूर्ख

4. पिता

(घ) 1. बालक सदा ही नादान होते हैं।

2. बुद्धि से बल को हराया जाता है।

3. महान व्यक्ति अपने कार्यों से प्रेरणा देते हैं।

(ङ) हम पढ़-लिखकर सेवा, व्यापार, उद्योग, खेल, कला के माध्यम से देश की सेवा कर सकते हैं।

❑

18. मिठाई का स्वाद

(क) 1. (ii) खेत से
2. (iii) रास्ते में
3. (i) पैसा

(ख) 1. किसान ने कुछ ज्यादा काम कर लिया था।
2. किसान के पास ज्यादा पैसे नहीं थे।
3. किसान मिठाईयों की खुशबू ले रहा था।
4. किसान मिठाईयों की खुशबू का आनंद ले रहा था।
5. किसान ने सिक्कों को हाथों में डालकर खनकाया।

(ग) 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. हाँ

(घ) 1. कृषक
2. मिष्ठान
3. मौज
4. सुगंध
5. ध्वनि

(ङ) 1. अमीर 2. भरपेट
3. बदबू 4. पीड़ा
5. कम 6. मुस्कराना

(च) 1. खेतों 2. रास्ते
3. मिठाइयाँ 4. गरीबों
5. पैसे 6. सिक्के

(छ) 1. किसान बहुत परिश्रमी होता है।
2. वह खाद्य पदार्थों का उत्पादन करता है।
3. वह खराब मौसम में भी कार्य करता है।
4. उसे अनेक बार अपनी उपज का उचित दाम भी नहीं मिलता।
5. किसान का जीवन परोपकार का जीवन है।

❑

19. कहाँ रहेगी चिड़िया

(क) 1. (ii) आँधी
2. (iii) चिड़िया को

(ख) 1. इस कविता की कवयित्री डॉ० बीना जैन हैं।

2. डाली आँधी से टूट गई।
3. आँधी में घोंसला उड़ गया।

(ग) 1. आँधी आई जोर शोर से
डाली टूटी है झकोर से
उड़ा घोंसला बेचारी का
अब यह चिड़िया कहाँ रहेगी?

(घ) 1. हाँ, 2. हाँ, 3. नहीं, 4. हाँ, 5. हाँ

(ङ) स्वयं करें।

(च) 1. पेड़ों 2. घोंसले
3. अंडे 4. डालियाँ

(छ) 1. खग 2. वृक्ष
3. गृह 4. शिशु

❑

20. झूठ का दंड

(क) 1. (i) रवि
2. (ii) जंगल में
3. (iii) भेड़िया

(ख) 1. चंचल, झूठा
2. जोर-जोर
3. गड़रिया
4. भेड़िया
5. पेड़

(ग) 1. जंगल में भेड़े चरती थीं।
2. गड़रिया चंचल और झूठा था।
3. रवि जंगल में चिल्लाने लगा।
4. उसकी आवाज सुनकर गाँव वाले जंगल में भागकर आये।
5. गड़रिया पेड़ पर बैठकर रो रहा था।

(घ) 1. रोना 2. सच्चा
3. रात 4. शांत
5. सवेरा

(ङ) 1. झूठे 2. सच्चे
3. गड़रिये 4. बच्चे

(च) 2. मिठाई = म् + इ + ठ् + आ + ई

3. गरीब = ग् + अ + र् + ई + ब् + अ
4. पैसा = प + ऐ + स + आ

(छ) 1. जंगल में अनेक जानवर रहते हैं।
2. झूठ बोलना गलत बात है।
3. भेड़िया जंगली जीव है।
4. चंचल व्यक्ति झूठ बोलकर मुसीबत में फँस सकता है।
5. आवाज का जादू सबको प्रभावित करता है।

(ज) झूठ बोलने से लोगों का विश्वास उस व्यक्ति पर नहीं रहता। जब वह सत्य भी बोलता है तो उस पर कोई विश्वास नहीं करता। जैसा कि गड़रिये के साथ हुआ।

❑

21. बताओ मैं कौन हूँ?

(क) 1. (i) तरबूज
2. (i) डोर से
3. (i) मोर

(ख) 1. रस से तरबूज भरा है।
2. कठपुतली इतराती है।
3. तितली के रंग-बिरंगे पंख हैं।
4. वर्षा के बाद इंद्रधनुष आता है।

(ग) काले
पंख
खुश
नाच

(घ) 1. बाहर 2. दुख
3. धरती 4. सफेद
5. पहले

(ङ) 2. प् + अं + ख् + अ
3. न् + आ + च + अ
4. आ + स् + अ + म् + आ + न् + अ

(च) 1. डोर हिलाने से कठपुतली नाचती है।
2. मोर प्रसन्न होकर पंख फैलाता है।
3. नाच देखकर लोग खुश होते हैं।
4. गन्ना रस से भरा होता है।

❑

22. मित्रता की परीक्षा

(क) 1. (i) शहर
 2. (iv) जंगल
 3. (i) रमेश

(ख) 1. दोनों मित्रों के नाम सुरेश और रमेश थे।
 2. जंगल में उन्हें भालू दिखायी दिया।
 3. रमेश पेड़ पर नहीं चढ़ सका।
 4. भालू ने रमेश को सूंघ कर मरा समझकर छोड़ दिया।

(ग) 1. नहीं 2. नहीं
 3. हाँ 4. हाँ

(घ) 1. दुश्मन 2. पास
 3. निस्वार्थ 4. जिंदा
 5. शहर

(ङ) 1. मतलबी 2. दोस्ती
 3. पथ 4. वन

(च) 1. जंगल में अनेक जंगली जानवर रहते हैं।
 2. मुर्दा व्यक्ति हिलता-डुलता नहीं है।
 3. साँस लेना जीने के लिए जरूरी है।
 4. स्वार्थी व्यक्ति संकट में किसी का साथ नहीं देता है।

(छ) एक सच्चा मित्र विपत्ति में भी साथ निभाता है। वह मित्र को सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है।

❑

23. ठीक समय पर

(क) 1. (iv) ये सभी
 2. (i) सवेरे
 3. (i) बड़े

(ख) 1. हम सुबह पाँच बजे उठते हैं।
 2. हम रोज स्कूल बैग लेकर स्कूल जाते हैं।
 3. पढ़ते हैं, खेलते हैं और मस्ती करते हैं।
 4. शाम को खेलते हैं।
 5. छात्र स्वयं दोस्तों के नाम लिखिए।

6. हमें ठीक समय पर उठना, नहाना, खाना, पढ़ना, मौज उड़ाना और गाना गाना चाहिए।

(ग) 1. हाँ, 2. नहीं, 3. हाँ

(घ) 2. यति तिकोर रथ

3. करवट टनाटन नहर

4. जमघट टरटर रहम

(ङ) 1. गलत 2. बैठना

3. जाना 4. कभी-कभी

5. पीना 6. लिखना

(च) 1. बच्चे 2. लड़कियाँ

3. गधे 4. कुर्सियाँ

5. माताएँ 6. बंदरों

(छ) 1. समय पर किया गया कार्य फल देने वाला होता है।

2. मौज का भी एक समय होता है।

3. नित नये अंदाज में दिखना चाहिए।

4. आदर करने से स्वयं का भी सम्मान बढ़ता है।

(ज) स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

मन दिनभर प्रसन्न रहता है।

स्कूल समय पर जाया जाता है।

(झ) हमें प्राकृतिक आपदा में दूसरों को बचाना चाहिए।

यथा सम्भव उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाना चाहिए।

उनके खाने-पीने रहने की व्यवस्था करनी चाहिए।

आपदा से त्रस्त लोगों के लिए दवाईयों का इंतजाम करना चाहिए।

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1 (अध्याय 1 से 12 तक पर आधारित)

(क) 1. (ii) रमन

2. (ii) चुलबुली

3. (i) हल

(ख) 1. पारस ने माता का कहना माना।

2. गीता ने तितली पकड़ी।

3. रेलगाड़ी में सभी मेला देखने आए।

4. जोकर ने टोपी तथा कोट पहना था।

(ग) 1. अचार 2. नृप 3. पतंग 4. चंदन

(घ) सिकंदर पंडा

अंदर अंडा

बंदर डंडा

सुंदर झंडा

ठंडा

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2 (अध्याय 13 से 23 तक पर आधारित)

(क) 1. (ii) उषाकाल

2. (ii) पक्के

3. (i) पूर्व

(ख) 1. कुत्ता प्यासा था।

2. गर्मी वर्षा, सर्दी तीन ऋतुएँ हैं।

3. बच्चे भगवान से वर माँग रहे थे।

4. गड़रिया पेड़ पर बैठकर रो रहा था।

(ग) 1. कुत्ता 2. गर्जन 3. परिश्रमी 4. नादान

(घ) 1. जंगल का राजा शेर होता है।

2. मुर्दा आदमी हिलता-डुलता नहीं है।

3. साँस लेना जीवन के लिए जरूरी है।

4. स्वार्थी मनुष्य संकट में साथ नहीं देते।